विद्या भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

कक्षा-5 तिथि-21/05/2020

विषय-संस्कृत

द्वितीयः पाठः

स्वर वर्ण

***स्वर-** जिन वर्णो के उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता न लेनी पड़े, उन्हें स्वर कहते हैं।

अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ऋ,ॠ,ऌ,ॡ,ए,ऐ,ऐ,ओ,औ,

स्वर वर्णस्य भेदाः

___ *स्वर वर्ण के चार भेद हैं:

(i)ह्रस्व स्वर वर्ण (ii)दीर्घ स्वर वर्ण

(iii) संयुक्त स्वर वर्ण। (iv)प्लुत स्वर वर्ण

अब स्वर के चारों भेद को विस्तार से समझेंगे-

***ह्रस्व स्वर वर्ण-** संस्कृत भाषा में वे स्वर वर्ण जिनके बोलने में एक मात्रा का समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। इनकी संख्या पांच हैं।

जैसे- अ,इ,उ,ऋ,ऌ ।

*** दीर्घ स्वर वर्ण-** वे स्वर ध्वनियां जिनके बोलने में दो मात्रा का अर्थात् ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं।

जैसे- आ,ई,ऊ,ॠ

***संयुक्त स्वर वर्ण-** संस्कृत भाषा में वे स्वर वर्ण जो दो स्वरों के संयोग से बने होते हैं, उन्हें संयुक्त स्वर वर्ण कहते हैं।

जैसे- अ+इ=ए

आ+इ=ऐ

अ+उ=ओ

आ+उ=औ

***प्लुत स्वर वर्ण-** संस्कृत भाषा में जिन स्वरों के उच्चारण में तीन मात्रा का समय अर्थात् ह्रस्व स्वर से तिगुना समय लगता है , उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं।

जैसे- ओऽम् ,ओऽऽऽम!

हे राऽऽऽम !

क.प्रश्नानाम् उत्तर लिखत-

1.स्वर वर्णस्य कति भेदा सन्ति?(स्वर वर्ण के कितने भेद हैं?)

2. ह्रस्व स्वर वर्णः कानि सन्ति?(ह्रस्व स्वर वर्ण कौन-कौन हैं?)

3.दीर्घ स्वर वर्ण कानि सन्ति?(दीर्घ स्वर वर्ण कौन-कौन हैं?)

4.प्लुत स्वर वर्ण कानि सन्ति? (प्लुत स्वर वर्ण कौन-कौन हैं?)

5.ह्रस्व स्वर दीर्घ स्वर वर्ण च पृथक-पृथक लिखत। (ह्रस्व स्वर तथा दीर्घ स्वर वर्ण को अलग-अलग लिखे)।